

महिलाएं क्यों रहना चाहती हैं सिंगल

बदलते हुए समय के साथ वैवाहिक रिश्तों को लेकर महिलाओं की सोच भी बदली है। उनके लिए विवाह अब अनिवार्य नहीं रहा है। आज कई महिलाएं पूरी स्वतंत्रता के साथ सिंगल रहना पसंद करती हैं। विवाह को लेकर बढ़ती अरुचि, टूटते वैवाहिक संबंधों की बढ़ती संख्या पर एक जरूरी विवेचन।



कवर स्टोरी / श्रुतिका 'सोनी'

विवाह हमारे समाज की अत्यंत महत्वपूर्ण प्रथा है। ऐसा माना जाता है कि जीवन की गाड़ी, विवाह के पहिए पर ही आगे बढ़ती है। विशेषकर महिलाओं के लिए तो विवाह अनिवार्य है। इनका सिंगल रहना जैसे वर्जित है। लड़की को उम्र थोड़ी ज्यादा हुई नहीं कि उसके बारे में तरह-तरह की बातें होने लगती हैं। लोग उससे यही पूछते हैं, 'तुम्हारे हाथ कब पीले हो रहे हैं? मिठाई कब खिला रही हो?' इतना ही नहीं समाज के लोग तरह-तरह के अटपटे सवाल भी करते हैं। लड़की खुद को बहुत शर्मिंदा महसूस करती है। हम यह क्यों नहीं समझते कि बदले हुए दौर में लड़कियों की सोच भी बदल चुकी है। अब उनके जीवन में विवाह के इतर भी बहुत कुछ है।

लड़कियों की बदल गई है प्राथमिकताएं

पिछले कुछ समय से लड़कियों की वैवाहिक रिश्ते में बंधने और इसके प्रति कमिटेमेंट में रहने की मानसिकता में बदलाव आया है। शादी, जिसे सत जन्मों का बंधन माना जाता है, यह सोच बदली है। पति के साथ हर हाल में संबंधों का निर्वाह उनके लिए अब जरूरी नहीं है। आज उनके लिए अकेले रहना मुश्किल नहीं है। सामाजिक रीति-नीति को चुनौती देने लड़कियां आत्मविश्वास से भरपूर और आत्मनिर्भर हैं। इनकी प्राथमिकताएं अब बदल चुकी हैं। शादी को यह आधी दुनिया अब बहुत जरूरी नहीं समझती।

क्यों बढ़ रही है विवाह के प्रति अरुचि

सवाल यह है विवाह और विवाह संबंधों की बढ़ती अरुचि के पीछे कारण क्या हैं? डाटा एनालिसिस मॉडल द्वारा हुई एक स्टडी के अनुसार संबंधों को चलाने के लिए पुरुषों के मुकाबले महिलाओं को ज्यादा काम और मेहनत करनी पड़ती है। ऐसा इसलिए क्योंकि एक तरह से गृहस्थी की सारी जिम्मेदारी हमारे समाज में महिलाओं के हिस्से में डाल दी जाती है।

टूट रहा है परंपरागत सामाजिक ढांचा

भारत में वैवाहिक रिश्तों का परिदृश्य लगातार तेजी से बदल रहा है। यह पिछले कुछ सालों में परंपरागत समाज की तुलना में आधुनिक ढांचे की ओर बढ़ रहा है। शादी और रिश्तेदारों से जुड़े अलग-अलग सवालों को लेकर किए गए एक अध्ययन में यह भी पाया गया कि भारतीय महिलाएं अपनी विभिन्न पारिवारिक स्थितियों के कारण सिंगल रहना पसंद कर रही हैं। आज वे केवल सामाजिक मानों के कारण रिश्ते में बंधने की जल्दबाजी नहीं कर रही हैं। डाटा एनालिसिस मॉडल की स्टडी के अनुसार देश भर की लगभग 81% महिलाओं ने महसूस किया कि अविवाहित होने और अकेले रहने में अधिक आसानी होती है। यहां तक कि किसी के साथ डेटिंग करते समय भी उनमें से लगभग 63% ने कहा कि वे केवल अपने साथी को पसंद को वरीयता नहीं देगी बल्कि खुद के प्रति सच्ची रहेंगी। इस स्टडी से यह भी पता चला कि 83% महिलाएं तब तक इंतजार कर सकती हैं, जब तक कि उन्हें सही साथी न मिले। यानी कि अब उन्हें शादी या जीवनसाथी के लिए कोई जल्दबाजी नहीं है।

ग्रीन टी से पाएं चेहरे पर निखार

टिप्स

आपने यह तो सुना-पढ़ा होगा कि हमारी हेल्थ के लिए ग्रीन टी बहुत फायदेमंद है। लेकिन क्या आपको पता है कि यह स्किन की कई प्रॉब्लम्स को दूर कर रंगत को भी निखारती है। दरअसल, ग्रीन टी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स, चेहरे की सेल्स में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ावा देते हैं। इससे त्वचा में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ने से चेहरे की रंगत में निखार आता है। जानिए, ग्रीन टी से कैसे स्किन केयर की जा सकती है।

► मॉयश्राइजर के तौर पर ग्रीन टी का



इस्तेमाल कर सकते हैं। 25 मिली कोकोनट ऑयल, 25 मिली एलमंड

ऑयल और 25 मिली एप्पल सिडर व्हाइनेट (जैसे लैवेंडर ऑयल) को आधा कप ग्रीन टी की पत्तियों में डुबोकर रखें। कुछ देर बाद इसे ब्लेंडर में पीसकर पेस्ट बना लें। इसका इस्तेमाल मॉयश्राइजर की तरह करें। यह त्वचा को नमी देकर सुंदर बनाता है। चेहरे के दाग-धब्बों को हटाता है।

► आंखों के नीचे के डार्क सर्कल्स कम करने के लिए उस हिस्से पर ग्रीन टी बैग्स



लागाएं। इससे आंखों के आस-पास की पफीनेस भी दूर होती है।

ग्रीन टी बैग का इस्तेमाल करने के बाद इन्हें फेंके नहीं, इसके बजाय इन्हें फ्रीजर में रखकर जमा लें। दिन में एक बार इन्हें आंखों और चेहरे पर 15 मिनट तक रखें। ग्रीन टी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स आंखों की स्किन को न्यूट्रीशन देकर हेल्दी बनाते हैं।

-सहेली फीचर्स

लाइफस्टाइल / विनीता

हम बिना समाज के अपनी कल्पना नहीं कर सकते। ऐसे ही नहीं कहा गया है 'मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है।' हमारा परिवार, हमारे नाते-रिश्तेदार और मित्र, यहां तक कि आस-पड़ोस के लोग भी हमारा बहुत बड़ा संबल होते हैं। कठिन परिस्थितियों में इनकी सलाह हमें सही राह दिखाती है। हम मुश्किलों से उबरते हैं। इनका साथ हमारे लिए बहुत जरूरी है। ऐसे में कोई यह बोले, 'मुझे किसी की सलाह की जरूरत नहीं।' मैं अपनी मर्जी की मालिक हूँ। मुझे जो ठीक लगेगा वही करूंगी।' ऐसी सोच ठीक नहीं है। यह सोच आपको अहंकारी बनाती है। आप अपने से दूर होकर, अपने जीवन में बहुत अकेली पड़ जाएंगी। इसलिए अपना व्यवहार कभी ऐसा ना रखें कि लोग आपको अहंकारी समझें। इस बात का ध्यान रखें, कहीं अनजाने में आप भी किसी ऐसी आदत को तो शिकार नहीं हो रही हैं, जो आपको अपनों से दूर कर दे। अगर आपको ऐसा लगता है, तो आज अपनों से दूर होकर, अपने जीवन में बहुत अकेली पड़ जाएंगी। इसलिए अपना व्यवहार कभी ऐसा ना रखें कि लोग आपको अहंकारी समझें। इस बात का ध्यान रखें, कहीं अनजाने में आप भी किसी ऐसी आदत को तो शिकार नहीं हो रही हैं, जो आपको अपनों से दूर कर दे। अगर आपको ऐसा लगता है, तो आज अपनों से दूर होकर, अपने जीवन में बहुत अकेली पड़ जाएंगी। इसलिए अपना व्यवहार कभी ऐसा ना रखें कि लोग आपको अहंकारी समझें। इस बात का ध्यान रखें, कहीं अनजाने में आप भी किसी ऐसी आदत को तो शिकार नहीं हो रही हैं, जो आपको अपनों से दूर कर दे।

अपनों से लें सलाह: आपको कोई ऐसा निर्णय लेना है, जो पूरे परिवार से जुड़ा है तो उसके बारे में परिवार के सभी सदस्यों को जरूर बताएं, उनकी राय लें। पति और घर के बुजुर्गों से तो राय लें ही, अगर आपके बच्चे टीनएजर हैं, तो उनसे भी सलाह लें। उनकी भी राय जानना भी आपके लिए जरूरी है। कई बार आप अकेले किसी समस्या का समाधान नहीं ढूंढ पातीं, ऐसे में जब आप आस-पास के लोगों से उस समस्या के बारे में बातचीत करेंगी, आपके लिए उसका समाधान ढूंढना आसान हो जाएगा। अगर आप वर्किंग हैं तो ऑफिस में जिनके साथ लंबे समय

आपके आस-पास जो भी लोग हैं, उनसे अपनेपन से जुड़ना जरूरी है। इससे आप जिंदगी में कभी भी खुद को अकेला नहीं महसूस करेंगी। हर मुश्किल का सामना आसानी से करेंगी। अपनों से आप कैसे जुड़ी रहें, जानिए।

अपनों को देकर अहमियत जिंदगी बनाएं आसान



से काम कर रही हैं, आपके सीनियर हैं, किसी काम को शुरू करने से पहले इनसे विचार-विमर्श करें। वे अपने अनुभव के आधार पर आपको ऐसी सलाह दे सकते हैं, जो आपके करियर की सक्सेस के लिए जरूरी है।

रिश्ते में आती है मजबूती: जब आप अपनों से सलाह-मशविरा कर उन्हें अच्छा महसूस कराती हैं, तो इससे आपके आपसी संबंधों में मजबूती आती है। दूसरा व्यक्ति भी जरूरत होने पर खुलकर आपके साथ अपनी भावनाओं की साझेदारी करेगा। यकीन मानिए, इस तरह के इमोशनल सपोर्ट जिंदगी के लिए बहुत जरूरी होते हैं।

अपनों को कमेंट स्पेशल फील: अपने प्रेममय व्यवहार से आप समय-समय पर अपनों को खस होने का अहसास दिलाती रहें। उदाहरण के लिए घर पर परिवार के सदस्यों से पूछें कि आज लंच या डिनर में क्या खाना पसंद करेंगे? उनकी पसंद के अनुकूल कोई डिश तैयार करें, इससे उन्हें अच्छा लगेगा। किसी वीकएंड पर आप उनके साथ उनकी किसी मनपसंद जगह घूमने जाएं, उनकी पसंद की मूवी भी उन्हें दिखा सकते हैं। इस तरह का आपका व्यवहार परिवार के सदस्यों का दिल जीतेगा।

करें भावनाओं का सम्मान: हो सकता है कि अपनों के लिए कुछ खस करने में आपको अतिरिक्त मेहनत करनी पड़े फिर भी उनकी भावनाओं का सम्मान करें। उनके अच्छे प्रयासों की सराहना करें। इससे उन्हें अच्छा महसूस होगा। वे भी आपकी भावनाओं का खयाल रखेंगे। इस तरह जब आप अपनों को अहमियत देंगी, उनका खयाल रखेंगी तो आपके रिश्ते हमेशा अपनेपन और प्रेम से भरे रहेंगे। आपकी जिंदगी बहुत आसान हो जाएगी।

बिहेवियर/ रेखा शाह आरबी

नितिन सुबह से ही देख रहा था, पत्नी साक्षी का मूड उखड़ा-उखड़ा है। बार-बार उसे मुड़ स्विंग हो रहे हैं। कुछ भी पूछने पर अजीब-सा जवाब मिलता। ऐसा भी नहीं था पति-पत्नी के बीच कोई झगड़ा हुआ हो। नितिन समझ नहीं पा रहा था कि साक्षी क्यों ऐसा व्यवहार कर रही है? उधर साक्षी को ना कुछ करना अच्छा लग रहा था, ना ही किसी से बात कर रही थी। नितिन एक समझदार पति है, वह जान रहा था कि साक्षी का यह नॉर्मल बिहेवियर नहीं है। अगर उसके बिहेवियर में परिवर्तन है तो जरूर कोई बात है, जिससे वह इरिटेट हो रही है। अगर नितिन की जगह पर कोई दूसरा होता तो घर में कलह होना तय था। साक्षी का इरिटेट होना, कोई बहुत असामान्य बात नहीं है। ऐसा हम सभी के साथ कभी ना कभी होता है। ऐसा प्रायः कभी मौसम बदलने के कारण, कभी प्रेनेंसी के दौरान या कुछ मनमुटाबिक ना हो पाने या फिर कभी थकी-हारी हुई अवस्था के कारण होता है। स्वयं को समझ में नहीं आता है कि आखिर मन क्यों इतना खिन्ना है? जब ऐसा मूड हो जाता है तो मन परेशान हो जाता है, इंसान तनाव में आ जाता है। ऐसी स्थिति में कुछ कारगर उपाय अपनाकर इरिटेशन, तनाव से मुक्त हुआ जा सकता है-

फेवरेट पर्सन से करें बातें: हम सभी की जिंदगी में कोई ऐसा दोस्त या परिवार में कोई

हम अकसर ही बात-बात पर झुंझलाते हैं, इरिटेट होकर टेशन में आ जाते हैं। हमें समझ में ही नहीं आता कि यह हो क्यों रहा है? ऐसी मन:स्थिति में लंबे समय तक रहना हमारी मेंटल हेल्थ के लिए सही नहीं है। इससे हम कैसे बचें, एक बहुत ही जरूरी सलाह।

जब मन हो इरिटेट



एक ऐसा सदस्य जरूर होता है, जिससे हम पूरे भरोसे के साथ अपने दिल की बातें साझा कर सकते हैं। इससे मन हल्का हो जाता है। अगर कभी मन में चिंता, दुविधा, चिड़चिड़ाहट और नकारात्मकता भर रही हो तो

तो अपने फेवरेट पर्सन से दिल की बातें साझा करें, अपनी समस्या दिल खोलकर बताएं। इससे ना केवल मन हल्का होगा। आपको सही सलाह मिलेगी। आप देखेंगे कि आपकी इरिटेशन और तनाव भी काफी हद तक कम हो रहा है।

मोटिवेशनल बुक्स पढ़ें: अच्छी बुक्स पढ़ना अच्छी आदत है। जब मूड अपसेट हो तो मोटिवेशनल बुक्स मन को शांत करने में मददगार हैं। अपनी पर्सनल लाइवरी में कुछ अच्छी मोटिवेशनल किताबें जरूर रखें। जब दिमाग किसी उलझन में हो तो इन किताबों को पढ़ें, इससे आप रिलैक्स महसूस करेंगी।



पार्क में घूमें: जब भी कभी आप इरिटेशन और तनाव महसूस करें तो पार्क में घूमने निकल जाएं। मानसिक स्वास्थ्य के लिए यह बहुत अच्छा रहेगा। हरे-भरे पेड़-पौधों के बीच में टहलना, नेचर को महसूस करना, चिड़ियों की चहचहाहट को सुनना थैरेपी का काम करता है। यह काफी फायदेमंद होता है, इससे मन एकदम से तरोताजा हो जाता है। इनके अलावा और भी बहुत उपाय हैं, जिनकी मदद से मन की उद्विग्नता, इरिटेशन और तनाव को खत्म कर सकती हैं। जैसे कोई कॉमेडी मूवी/शो देखना, बच्चों के साथ खेलना, शॉपिंग करना, म्यूजियम घूमने जाना, योगा करना या फिर पेंटिंग, सिंगिंग जैसे क्रिएटिव काम। इससे मन को सुकून मिलेगा, इरिटेशन और तनाव दूर होगा।

कब लें डॉक्टर से सलाह

कभी-कभार इरिटेशन और तनाव महसूस करना, सामान्य-सी बात होती है। लेकिन अगर असामान्य रूप से लगातार कोई तनावग्रस्त है। उसका मूड हमेशा खराब रहता है, वह परेशान रहता है, उसे घबराहट और निराशा महसूस होती है तो तुरंत मनोचिकित्सक से सलाह लेनी चाहिए। ऐसी प्रथायें हैं कि जब लगातार यह लक्षण दिखाई दे रहे हैं तो डॉक्टर ही सही रूप से जांच कर, उसकी इरिटेशन किन मानसिक स्थितियों या शारीरिक कारणों से है, बता सकते हैं। ऐसे में देर ना करें और डॉक्टर से संपर्क करें।

देश के कई राज्यों में भारी बारिश का कहर, आम जनजीवन प्रभावित

महाराष्ट्र में रेलवे ट्रैक पर चलकर विधानसभा पहुंचे मंत्री, असम में 22 लाख लोग बाढ़ की चपेट में, ऋषिकेश में 600 श्रद्धालु फंसे

देश के कई राज्यों में लगातार बारिश ने कहर बरपाया है। आम लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त है। उत्तराखंड में पिछले 4 दिनों से जारी तेज बारिश के चलते केदारनाथ, बद्रीनाथ हाईवे समेत 115 से ज्यादा सड़कें बंद हो गईं। कई रास्ते लैंडस्लाइड की वजह से तो कुछ बह जाने के कारण बंद हो गए। इसके बाद चार धाम यात्रा रोक दी गई। इससे जगह-जगह 6 हजार श्रद्धालु फंसे हैं। गंगा, समेत 6 नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही हैं।

उत्तराखंड में गंगा समेत 6 नदियां खतरे के निशान पर तेलंगाना, मप्र, छत्तीसगढ़, बिहार में हवाओं की गति 30-40 किमी प्रति घंटे रहेगी उप हिमालयी जिलों में 12 जुलाई तक तेज बारिश होगी



हरिद्वार में प्रशासन अलर्ट पर, कई जगहों पर बिजली ठप
उत्तराखंड में चार दिनों से जारी बारिश के चलते गंगा, अलकनंदा, मानसरोथी, सारदा, मंदाकिनी और कोसी नदी खतरे के निशान पर बह रही हैं। ऋषिकेश में गंगा नदी का स्तर 339.15 मीटर है, जो खतरे के निशान के बंद करीब है। इसलिए हरिद्वार प्रशासन को अलर्ट पर रखा गया है। उधर, लगातार बारिश के चलते बद्रीनाथ, गौरीनाथ से लेकर जोशीमठ तक बिजली ठप हो गई है। ऋषिकेश एआरटीओ मोहित कोठारी के मुताबिक पहाड़ी पर मौसम बहुत खराब है, इसलिए हरिद्वार और ऋषिकेश में 600 श्रद्धालु फंसे गए हैं, क्योंकि राज्य सरकार ने हरिद्वार से आगे जाने पर रोक लगा दी है। गंगोत्री और यमुनोत्री जा रहे 480 यात्रियों को मद्रकोली चेकपोस्ट पर रोक है। मौसम विभाग के अनुसार 1 जून से अब तक उत्तराखंड में 276.8 मिमी बारिश हो चुकी है, जबकि सामान्य कोटा 259 मिमी है। पूरे मानसून के सीजन में उत्तराखंड में 1162.2 मिमी औसत बारिश को सामान्य मानसून माना जाता है।



महाराष्ट्र में आम जनता के साथ-साथ मंत्री और एमएलसी भी इससे अछूते नहीं हैं। बारिश के बाद आवागमन बाधित होने के बाद मंत्री और एमएलसी रेलवे ट्रैक पर पैदल चलकर विधानसभा पहुंचे हैं। वहीं ठाणे में पहाड़ी पर भूस्खलन हुआ है, हालांकि गनीमत की बात ये रही की इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। दरअसल, महाराष्ट्र के राहत-पुनर्वास और आपदा प्रबंधन मंत्री अनिल पाटिल और एनसीपी एमएलसी अमोल मित्तकारी के हावड़ा-मुंबई ट्रेन से उतरकर कुछ दूर तक रेल की पटरियों पर चले। वहीं इस मामले में एनसीपी नेता मित्तकारी ने कहा, ट्रेन करीब दो घंटे तक फंसी रही। हम दादर और कुर्ला स्टेशनों के बीच पटरियों पर उतरें थे। मैं रेलवे पटरियों समेत करीब 2 से 2.5 किलोमीटर पैदल चला और नेहरू नगर पुलिस स्टेशन पहुंचा। इस दौरान उन्होंने बताया कि कुछ विधायक भी उसी ट्रेन में फंसे हुए

आज भी चलेंगी तेज रफ्तार से हवाएं, होगी भारी बारिश

आज 9 जुलाई को तेलंगाना, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, तटीय आंध्र प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर आंधी, बिजली चमकने और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, उत्तर प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा, तेलंगाना, केरल और कर्नाटक में भारी बारिश हो सकती है। उत्तराखंड के चमोली, पौड़ी, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, बागेश्वर, अल्मोड़ा, चंपावत, नैनीताल, ऊधमसिंह नगर में भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। हरिद्वार, देहरादून, टिहरी, उत्तरकाशी में बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश में तेज बारिश का दौर थमेगा। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग, कलिंगपोखरा, जलपाईगुड़ी, कूचबिहार और अलीपुरद्वार के उप-हिमालयी जिलों में 12 जुलाई तक भारी बारिश होने की संभावना है।

असम: 22 लाख लोग बाढ़ में फंसे, 8 लोगों की मौत

सिक्किम में भू-स्खलन
सिक्किम: एनएच-10 सिक्किम-सिलीगुड़ी रोड पर बारिश के चलते लैंडस्लाइड के बाद ट्रैक से मलबा हटाया गया।

चंपारण में बह गई निर्माणाधीन पुलिया
बिहार में पटना सहित राज्य के कई भागों में तेजी बारिश हुई है। के पूर्वी चंपारण के दक्षिणी मनालीपुर पंचायत के मलाही टोला में एक निर्माणाधीन पुलिया बह गई। गंडक नदी के तेज बहाव को यह पुलिया झेल नहीं पाई।

खबर संक्षेप
गैंगस्टर की इसी ने रद्द की पेरोल
चंडीगढ़। पंजाब के जालंधर पश्चिम विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी के हक में प्रचार कर रहे गैंगस्टर दलजीत सिंह भाना की पेरोल चुनाव आयोग ने रद्द कर दी है। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक पेरोल रद्द करने का निर्देश दिया गया है।

पर्याप्त सबूत मिलने पर दाखिल होगी चार्जशीट
बैंगलूरु। रेणुकास्वामी हत्याकांड मामले में कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा है कि पर्याप्त सबूत होने के बाद ही चार्जशीट दाखिल की जाएगी। इस हत्याकांड के आरोपी दर्शन ध्रुवदीपा, उनकी करीबी दोस्त पवित्रा और 15 अन्य लोग 18 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में हैं। मामले में किसी को बचाया नहीं जाएगा।

ममता सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने दिया बड़ा झटका जारी रहेगी संदेशखाली मामले की सीबीआई जांच, एक को बचाने में क्यों जुटी सरकार?

ईडी अधिकारी तृणमूल कांग्रेस के निलंबित नेता शाहजहां शेख के यहां छापा मारने गए थे, जहां उन पर हमला किया गया था। हाई कोर्ट में ईडी ने पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की थी जिसके बाद शाहजहां शेख को सीबीआई को सौंपा गया।

सोरेन का शक्ति प्रदर्शन सदन में जीता विश्वास मत विपक्ष ने किया वॉकआउट

हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड सरकार के मंत्रिमंडल का भी विस्तार हो गया है। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने झामुमो नात गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं और अन्य सरकारी अधिकारियों की उपस्थिति में राजभवन में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। पूर्व सीएम चंपई सोरेन को भी मंत्री बनाया गया है। हालांकि हेमंत सोरेन के भाई बसंत सोरेन को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है। इस मंत्रिमंडल में झारखंड नृत्ति मोर्चा की तरफ से बसंत सोरेन, दीपक बीरुआ, हर्षीजुल हसन अंसारी, बेबी देवी, मिथिलेश ठाकुर, बैद्यनाथ राम को जगह दी गई है। बता दें कि बैद्यनाथ राम को छोड़कर ये सभी नेता हेमंत और चंपई सोरेन सरकार में भी मंत्री पद पर थे। वहीं आरजेडी के कोटे से सत्यानंद मोताता को मंत्री बनाया गया है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने तिहाड़ प्रशासन से मांगा जवाब
नई दिल्ली। शराब घोटाला मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने सीएम अरविंद केजरीवाल की याचिका पर तिहाड़ जेल प्रशासन से जवाब मांगा है। उन्होंने न्यायिक हिरासत अवधि के दौरान वकीलों के साथ दो अतिरिक्त बैठकें करने की मांग की थी।

मासिक धर्म अवकाश पर आदर्श नीति तैयार करें
मासिक धर्म अवकाश को लेकर लंबे समय से बहस छिड़ी हुई है। अब सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र को निर्देश दिया कि वह राज्यों और अन्य हितधारकों के साथ सलाह करके मासिक धर्म अवकाश पर एक आदर्श नीति तैयार करें। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि यह मुद्दा नीति से जुड़ा है।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने दिया निर्णय
ममता सरकार के रफाए पर हाई कोर्ट ने उठाए कई सवाल 5 मार्च को कलकत्ता हाई कोर्ट ने मामला सीबीआई को सौंपने का दिया था आदेश

पूर्व सीजेआई सुलझाएंगे कुलपतियों की नियुक्ति का मसला
सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को देश के पूर्व चीफ जस्टिस रह चुके यशु ललित को पश्चिम बंगाल में कुलपतियों की नियुक्ति के लिए समिति का प्रमुख नियुक्त किया है। उनके अलावा समिति में पांच सदस्य होंगे, जो हर विश्वविद्यालय में कुलपति की नियुक्ति के लिए अल्फाबेटिकल ऑर्डर में तीन नामों का पैलल तैयार करेंगे। यह प्रक्रिया पूरी करने के लिए तीन महीने का समय निर्धारित किया गया है। समिति की सिफारिशें, अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित, सीएम को प्रस्तुत की जाएंगी। दरअसल, बंगाल की टीएमसी सरकार का राज्य के गवर्नर सीवी आनंद बोस के साथ राज्य के विश्वविद्यालयों के संचालन के तरीके को लेकर मतभेद चल रहा है।

राहुल गांधी ने असम और मणिपुर का दौरा किया कांग्रेस शांति बहाली के लिए प्रयास करेगी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी से मणिपुर में जातीय हिंसा से प्रभावित लोगों को सान्त्वना देने के लिए पूर्वोत्तर राज्य का दौरा करने का अनुरोध किया। गांधी ने कहा कि कांग्रेस मणिपुर में शांति बहाली के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। पिछले साल मई में मेइती और कुकी समुदायों के बीच भड़की जातीय हिंसा में अब तक मणिपुर में 200 से अधिक लोगों की जान गई है।

राहत शिविरों में हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की राज्यपाल अनुसुइया उइके से भी मिले असम के सिलचर और कछार जिले में बाढ़ प्रभावितों से मिले कांग्रेस नेताओं ने ज्ञापन सौंपा

राहुल ने मणिपुर के चुरावांदपुर में मंडप तुईबोंग रिलीफ कैंप और जिरिबाम के हायर सेकेंडरी स्कूल में बसाए गए राहत शिविर में मौजूद लोगों से मुलाकात की थी। उन्होंने फूलरताल के थलाई इन यूथ केयर सेंटर में राहत शिविर का दौरा किया। वे असम के सिलचर और कछार जिले में भी गए और बाढ़ प्रभावित लोगों से मिले। असम में कांग्रेस नेताओं ने बाढ़ से हुए नुकसान और सुआवजे को लेकर राहुल गांधी को ज्ञापन सौंपा। राहुल ने मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके से लगभग 45 मिनट तक मुलाकात की।

गरीबों से हक छीन रही माजपा: सैलजा कहा, खत्म किए गए 1300 राशन डिपो लाइसेंस तुरंत बहाल करें

करने के साथ ही सभी 9300 डिपो धारकों का फरवरी से बकाया चल रहा गेहूं वितरण कमीशन भी जारी किया जाए। कुमारी सैलजा ने एक बयान में सोमवार को कहा कि प्रदेश में सस्ते राशन की दुकान के तौर पर खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने 9300 लोगों का डिपो होल्डर के लाइसेंस दिए हुए हैं। लेकिन, तुगलकी फरमान जारी करते हुए प्रदेश सरकार ने एक आदेश जारी कर 60 साल से अधिक उम्र वाले डिपो होल्डर के लाइसेंस खत्म कर दिए। इसके विरोध में डिपो होल्डर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट की शरण में पहुंच गए।

